



Ch
11/3/92

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

प्र. 706] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, पितृवर 5, 1991/अग्रहायण 14, 1913
No. 706] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1991/AGRAHAYANA 14, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग भंकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और महाकालिता विभाग)

प्रधिकारना

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1991

का.पा. 818(म) —केंद्रीय सरकार, नारियन विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) की धारा 4 द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नारियन विकास बोर्ड में लोक रामा और याज्य मसा द्वारा कुने गए निम्नलिखित संसद सवासों के नाम अधिसूचित करता है और उस प्रयोजन के लिए कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग) की सरकारी अधिसूचना में का.आ. 21(प्र) तारीख 12 जनवरी, 1981 का निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रयोगित:—

उक्त अधिसूचना में ऋग संख्याएँ 47 और 48 तथा उससे संबंधित प्रबिलियों के स्थान पर ऋग संख्या: निम्नलिखित रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“धारा 4 की उपधारा (4) के वर्णण (इ) के अंतर्गत चुन गए:

47 श्री कल्पनिधि बन्दार, संसद सभास्थ (लोक सभा)
48 श्री गन मुरगोपत शंसद सभास्थ (लोक सभा)

लोक सभा का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य
लोक सभा का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य

[फाइल सं. 14-1/89-प्र. ए.]

एस. एस. नायर, संपूर्ण सचिव

टिप्पण :—मूल नायित्र विकास बोर्ड गठन, भारत के योजना भाग-2, वर्णण -3 उपर्याह (ii) तारीख 12-1-1981 में पृष्ठ 47-48 पर भारत सरकार, कृषि मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 21(प्र) तारीख 12-1-1981 द्वारा प्रकाशित किया गया था और उनका पालात्तरी संशोधन निम्नलिखित द्वारा किया गया:—

- (1) का.आ. सं. 1237 तारीख 6-4-81 पृष्ठ 1289;
- (2) का.आ. सं. 675(प्र) तारीख 28-8-81 पृष्ठ 1163-64;
- (3) का.आ. सं. 128(प्र) तारीख 2-3-82 पृष्ठ 217-18; 7
- (4) का.आ. सं. 502 (प्र) तारीख 2-7-85 पृष्ठ 1-2;
- (5) का.आ. सं. 731 (प्र) तारीख 8-10-85 पृष्ठ 1-2;
- (6) का.आ. सं. 33(प्र) तारीख 12-1-86 पृष्ठ 1-2;
- (7) का.आ. सं. 362(प्र) तारीख 18-6-86 पृष्ठ 1-2;
- (8) का.आ. सं. 901(प्र) तारीख 8-12-86 पृष्ठ 1-2;
- (9) का.आ. सं. 957(प्र) तारीख 28-10-87 पृष्ठ 1-3;
- (10) का.आ. सं. 777(प्र) तारीख 22-8-88 पृष्ठ 1-3;
- (11) का.आ. सं. 264(प्र) तारीख 6-4-89 पृष्ठ 1-3;
- (12) का.आ. सं. 357(प्र) तारीख 15-5-89 पृष्ठ 1-3;
- (13) का.आ. सं. 169(प्र) तारीख 11-3-91 पृष्ठ 1-3;
- (14) का.आ. सं. 257(प्र) तारीख 11-4-91 पृष्ठ 1-4;
- (15) का.आ. सं. 497(प्र) तारीख 30-7-91 पृष्ठ 1-2;

MINISTRY OF AGRICULTURE
 (Department of Agricultural & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd December, 1991

S.O. 818(E)---In exercise of the powers conferred by section 4 of the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979), the Central Government hereby notifies the names of the following Members of Parliament elected by the House of the People and the Councils of States on the Coconut Development Board and for that purpose amends the Government notification, in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation) No. S.O. 21(E) dated the 12th January, 1981 as follows, namely :—

In the said notification for Serial No. 4B and 4C and the entries relating thereto, the following shall respectively be substituted, namely :—

“Elected under clause (e) of sub-section (4) of section 4 :—

4B Shri Dattatraya Bandaru, MP (Lok Sabha) To represent House
 of People
 —Member

4C Shri N. Murugesan, MP (Lok Sabha) To represent House of People
 —Member

[File No. 14-1/89-HA]

NOTE : The principle constitution of the Coconut Development Board was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 12-1-1981 at pages 47-48 vide notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture No. S.O. 21(E) dated 12-1-1981 and was subsequently amended by :—

- (i) S.O. No. 1237 dated 6-4-81 at pages 1289;
- (ii) S.O. No. 675(E) dated 28-8-1981 at pages 1163-64;
- (iii) S.O. No. 128(E) dated 2-3-1982 at pages 217-18;
- (iv) S.O. No. 502(E) dated 2-7-1985 at pages 1—2;
- (v) S.O. No. 731(E) dated 8-10-1985 at pages 1—2;
- (vi) S.O. No. 33(E) dated 12-1-1986 at pages 1—2;
- (vii) S.O. No. 362 (E) dated 18-6-1986 at pages 1—2;
- (viii) S.O. No. 901 (E) dated 8-12-1986 at pages 1—2;
- (ix) S.O. No. 957 (E) dated 28-10-1987 at pages 1—3;

- (x) S.O. No. 777 (E) dated 22-8-1988 at pages 1—3;
- (xi) S.O. No. 264 (E) dated 6-4-1989 at pages 1—3;
- (xii) S.O. No. 357 (E) dated 15-5-1989 at pages 1—3;
- (xiii) S.O. No. 169 (E) dated 11-3-1991 at pages 1—3;
- (xiv) S.O. No. 257 (E) dated 11-4-1991 at pages 1—4;
- (xv) S.O. No. 497 (E) dated 30-7-1991 at pages 1—2.



८५
११३७८

आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

ल. 708] नई दिल्ली, बृहत्पत्रिवार, विश्ववर 5, 1991/अग्रहायण 14, 1913
No. 708] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1991/AGRAHAYANA 14, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतत परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

गई दिल्ली, 5 दिसंबर, 1991

का. ग्रा. 820(अ) - केन्द्रीय सरकार को यह याप है कि यह नोंचे दी गई सालों के साथ (1) में विनियिक्त प्रकार के यान को यान के गुणमात्र वजन अर्थात नियावद अविकलन, यान सहित वजन और प्रत्येक भूरी के नियावद अधिकतम भूरी वजन के लिए, जो सोठर यान अधिकारी, 1988 (1988 का 39) की आरा 58 की उपद्वारा (1) के अधीन जारी की गई अधिकृतता नं. 416 (अ) नाम्य 8-6-1989 में विनियिक्त है, धन्यमति दे सकेगी।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की घारा 58 की उपधारा (3) के परमुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा की है कि उक्त सारणी के भीत्र विनिर्दिष्ट उपांतरणों/शर्तों के अधीन रहते हुए ए उक्त उपधारा (3) के उपर्युक्त उक्त प्रकार के यात्र को लागू होगे।

सारणी

यात्र का प्रकार	इंजेन नं.	चैरी नं.	यात्र का सकल भार
असोक लीसिंह	25169938	17603	मासमें के एक्सेल का भार - 9018 किलो
चैरी एफ - 23 पर गडे	25170155	17802	
हुए क्रील फायर टैंडर	25170250	17702	पीछे वाले एक्सेल का भार - 20300 किलो
	25170248	17703	

यदि कायर टैंडरों को हवाई अड्डा क्षेत्र से बाहर प्रयोग में लाया जाता है, तो उपर्युक्त क्षुद्र नियन्त्रित संशोधनों/शर्तों के प्रध्याधीन होगी।

(1) मार्ग या मोड़ पर या उसके पास बाधाओं और प्रतिबाधाओं जसे वृक्ष की शाखा और भवन का पूर्व नियंत्रण करते के लिए बाबधानी बरतनी होगी,

(2) केन्द्रीय सरकार उक्त यात्र के प्रविहन में या उसमें लक्षी बस्तुओं को हुए नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगी,

(3) उक्त यात्र के मंचलन/बलाने के कारण केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या प्राधिकरण द्वारा इन्युक्ति या पर्यावरण संकेत या संकेत के द्वारे को प्रत्यक्षया प्राप्तपूर्ण रूप से हुए नुकसान के लिए आप्रेटर/मालिक उत्तरदायी होगा और उक्त आप्रेटर/मालिक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नुकसानी रायित के संदर्भ के लिए जिम्मेदार होगा,

(4) उक्त यात्र सड़क/मार्ग पर सामान्य स्पै या चलने वाले यातायात को बिना कोई बाधा या प्रतिबाधा पहुंचाए जाना,

(5) उक्त यात्र की भीमा को स्पष्ट और उपर्युक्त रूप से वर्णन के लिए उस पर सापर्यक चेतावनी क्षुद्रक जैसे चिन के समय में लाल झण्डे लगाए जाएंगे और रात के समय में लाल बत्ती का] प्रयोग किया जाएगा।

(6) आप्रेटर/बालक को स्थानीय निकायों या अन्य सरकारी विभागों से उनकी सहायता पर उक्त यात्र को चलाने के लिए सापर्यक अनुमति प्राप्त करनी होगी,

(7) राजमार्ग/पुल, पुलिया या अन्य सड़क या सड़क के ढांचे के प्राधिकारी उक्त यात्र के संचलन को मापात जाते परिस्थितियों और सड़क के ढांचे की वस्तु के कारणों से रोकने के हकदार होंगे,

(8) उक्त यात्र के लिए भीत्री दी गई सारणी के संख्य 4 में विनिर्दिष्ट बजान के बाबत जाएगा।

(9) उक्त यात्र राजमार्ग/सड़क के सम्बद्ध सहायक/केन्द्रीय ईंजीनियरिंग की वर्धाल/प्रगति/पूर्व सूचना व प्रक्रियात, चलाए जाएंगे,

(10) रेल के समतल पारण या ऊपरी/निचले पुल को पार करने से पहले रेल प्रवासन में अलग में पूर्व अनुमति अभिप्राप्त करनी होगी,